



Mr. Manoj baby girl

02 Apr 2026

10:30 AM

Hat Piplia

Model: Baby-Horoscope

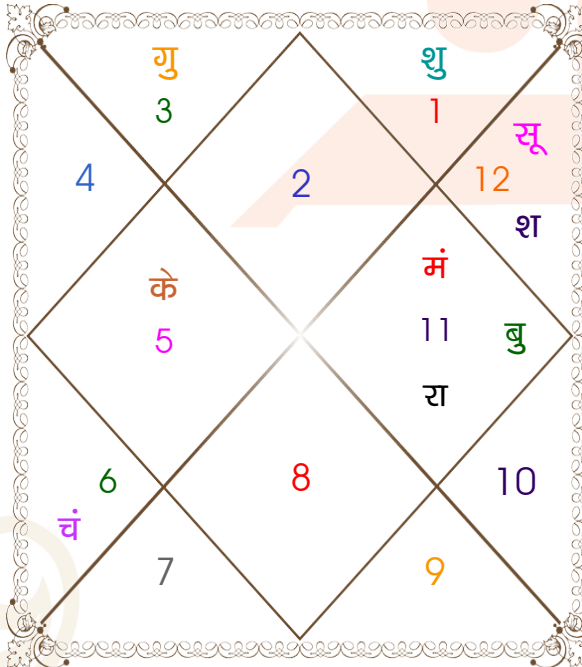
Order No: 121791701

तिथि 02/04/2026 समय 10:30:00 वार गुरुवार स्थान Hat Piplia चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32
अक्षांश 22:46:00 उत्तर रेखांश 76:18:00 पूर्व मध्य रेखांश 82:30:00 पूर्व स्थानिक संस्कार -00:24:48 घंटे

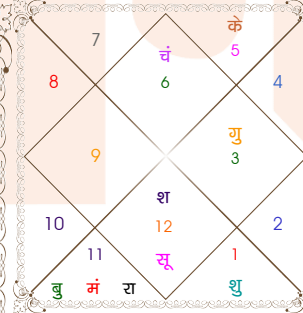
पंचांग	अवकहड़ा चक्र	विंशोत्तरी	योगिनी
साम्पातिक काल : 22:47:26 घं	गण _____: देव	चन्द्र 2वर्ष 9मा 18दि	संकटा 2वर्ष 2मा 27दि
वेलान्तर _____: 00:03:36 घं	योनि _____: महिष	चन्द्र	संकटा
सूर्योदय _____: 06:16:53 घं	नाडी _____: आद्य	02/04/2026	02/04/2026
सूर्यास्त _____: 18:40:20 घं	वर्ण _____: वैश्य	19/01/2029	28/06/2028
चैत्रादि संवत _____: 2083	वश्य _____: मानव	00/00/0000	00/00/0000
शक संवत _____: 1948	वर्ग _____: श्वान	00/00/0000	00/00/0000
मास _____: चैत्र	रुँजा _____: मध्य	00/00/0000	00/00/0000
पक्ष _____: शुक्ल	हंसक _____: भूमि	00/00/0000	00/00/0000
तिथि _____: 1	जन्म नामाक्षर _____: ण--	02/04/2026	00/00/0000
नक्षत्र _____: हस्त	पाया(रा.-न.) _____: रजत-रजत	बुध 21/04/2026	02/04/2026
योग _____: ध्रुव	होरा _____: बुध	केतु 20/11/2026	08/12/2026
करण _____: बालव	चौघड़िया _____: उद्वेग	शुक्र 20/07/2028	उल्का 28/06/2028
		सूर्य 19/01/2029	सिद्धा

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			28:39:19	वृष	मृगशिरा	2	मंगल	शनि	---	0:00			
सूर्य			18:14:34	मीन	रेवती	1	बुध	बुध	मित्र राशि	1.77	पुत्र	पितृ	साधक
चंद्र			19:35:55	कन्या	हस्त	3	चंद्र	बुध	मित्र राशि	1.10	मातृ	मातृ	जन्म
मंगल	अ		29:50:15	कुंभ	पू०भाद्रपद	3	गुरु	चंद्र	सम राशि	1.23	आत्मा	भ्रातृ	क्षेम
बुध			20:31:55	कुंभ	पू०भाद्रपद	1	गुरु	गुरु	सम राशि	1.13	भ्रातृ	ज्ञाति	क्षेम
गुरु			21:38:10	मिथु	पुनर्वसु	1	गुरु	गुरु	शत्रु राशि	1.45	अमात्य	धन	क्षेम
शुक्र			08:54:12	मेष	अश्विनी	3	केतु	गुरु	सम राशि	1.37	कलत्र	कलत्र	वध
शनि	अ		11:28:21	मीन	उ०भाद्रपद	3	शनि	चंद्र	सम राशि	0.81	ज्ञाति	आयु	प्रत्यारि
राहु	व		14:28:07	कुंभ	शतभिषा	3	राहु	केतु	मित्र राशि	---	---	ज्ञान	विपत
केतु	व		14:28:07	सिंह	पू०फाल्गुनी	1	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि	---	---	मोक्ष	मित्र

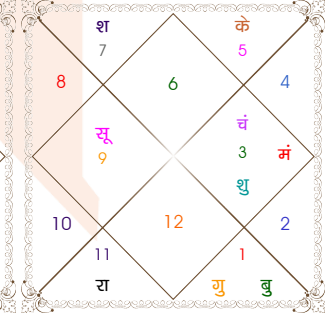
लग्न-चलित



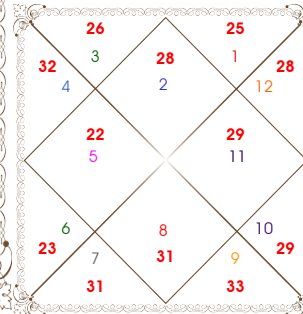
चन्द्र कुंडली



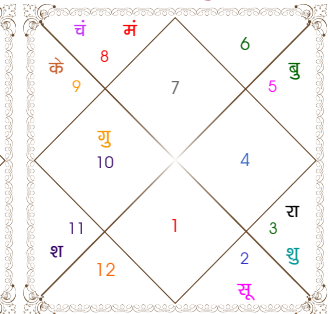
नवमांश कुंडली



सर्वाष्टकवर्ग



दशमांश कुंडली



VIKRANT JYOTISH KENDRA

AACHARYA VIKRANT SANKLE
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

नक्षत्रफल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ है। अतः आपकी जन्म राशि कन्या तथा राशिस्वामी बुध होगा। नक्षत्रानुसार आपका वर्ण वैश्य, वर्ग श्वान, नाड़ी आद्य, योनि महिष तथा गण देव होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रथमाक्षर "ळ(ण)" से प्रारम्भ होगा।

आपके अन्तर्मन में दानशीलता की प्रवृत्ति स्वभाव से ही विद्यमान रहेगी तथा अपने जीवन काल में आप पूर्ण रूप से इस प्रवृत्ति का पालन करते रहेंगे। आपके अन्दर मनुष्यता के सभी गुण विराजमान रहेंगे। पुत्रों से भी आप सुख प्राप्त करके उनसे युक्त रहेंगे। आप एक लोकप्रिय व्यक्ति होंगे तथा समाज में आपका यश दूर दूर तक व्याप्त रहेगा। आप किसी से भी भेदभाव नहीं करेंगे तथा समाज के सभी वर्गों से समान स्नेह एवं सहानुभूति रखेंगे तथा इनके प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था हमेशा विद्यमान रहेगी। इसके साथ ही नाना प्रकार के धनैश्वर्य के अर्जन में भी आप सफल रहेंगे तथा आन्नदपूर्वक उसका जीवन में उपभोग करेंगे।

दाता मनस्वी सुतरां यशस्वी भूदेवदेर्वाचनकृत्प्रयत्नतः।

प्रसूति काले यदि यस्य हस्तो हस्तोद्गता तस्य समस्तसम्पत्।।

जातकाभरणम्

अर्थात् हस्त नक्षत्र में उत्पन्न जातक दाता, मनस्वी, अतियशवाला, देवता और ब्राह्मणों का भक्त तथा सर्वप्रकार की सम्पत्ति से सदैव युक्त रहता है।

आप अपने जीवन काल में समस्त भौतिक पदार्थों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे तथा परलौकिक कर्मों के लिए दान पुण्य धर्म आदि के कार्यों को भी सम्पन्न करेंगे। अपने इन सत्कार्यों से आप इहलोक तथा परलोक दोनों को आन्नदमय बनाने में सफल रहेंगे। आप की बुद्धि अत्यन्त ही तीव्र होगी तथा एक आदर्श विद्वान के गुणों से भी आप युक्त रहेंगे। आपके मन में परोपकार की भावना भी विद्यमान रहेगी। फलतः इन कार्यों के लिए आप हमेशा तन मन धन से तत्पर रहेंगे एवं अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त आप धन ऐश्वर्य से युक्त धनाढ्य व्यक्ति भी कहलाएंगे।

हस्तर्क्षे यदि कामधर्मनिरतः प्राज्ञोपकर्ता धनी।

जातकपरिजातः

अर्थात् हस्त नक्षत्रोत्पन्न जातक सांसारिक भोग्य पदार्थ तथा पारलौकिक शुभ कर्मों को करने वाला तथा धनवान होता है।

आप एक उत्साही पुरुष होंगे तथा सदैव उत्साह से परिपूर्ण रहेंगे एवं अपने समस्त कार्यों को उत्साहपूर्वक ही सम्पन्न करेंगे। आपके सामाजिक संबंध अत्यन्त ही विस्तृत रहेंगे। आप में लज्जा का भाव अल्प रूप में रहेगा एवं स्वभाव से यदा कदा उग्रता का भाव भी परिलक्षित होगा।

VIKRANT JYOTISH KENDRA

AACHARYA VIKRANT SANKLE

B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)

8718906740

astro.sankle@gmail.com

**उत्साही धृष्टः पानपोळघृणी तस्करो हस्ते ।
बृहज्जातकम्**

अर्थात् हस्त नक्षत्र में उत्पन्न जातक उत्साही, लज्जाहीन, मदिरा का सेवन करने वाला, घृणा न करने वाला एवं तस्कर होता है।

आप समयानुसार कभी कभी झूठ भी बोलेंगे तथा कठोरता की ओर आपकी प्रवृत्ति रहेंगी। आप समीपस्थ बन्धुवर्ग से युक्त हीन रहेंगे। अतः समय पर इनसे आपको कोई भी सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त समाज में स्त्रीवर्ग से भी आपके घनिष्ठ संबंध रहेंगे।

**असत्यवचनो धृष्टः सुरापी बन्धुवर्जितः ।
हस्तो जातो नरश्चौरो जायते पारदारिकः ।।
मानसागरी**

अर्थात् हस्त नक्षत्र में उत्पन्न जातक झूठ बोलने वाला, निर्लज्ज, मद्यपान करने वाला बन्धुओं द्वारा वर्जित, चोर तथा अन्य स्त्रियों से सम्बन्ध रखने वाला होता है।

रजत पाद में उत्पन्न होने के कारण आपका शारीरिक सौन्दर्य दर्शनीय रहेगा तथा इसमें लावण्यता भी विद्यमान रहेगी। साथ ही मुखाकृति भी अत्यन्त आकर्षक रहेगी। इन्द्रियों को वश में करने में आप पूर्ण रूपेण सफल रहेंगे तथा प्रायः सत्य ही बोलेंगे। आप अत्यन्त ही मधुर गति से गमन करने वाले होंगे। जीवन में धन तथा पुत्र से आप युक्त रहेंगे एवं इनका पूर्ण सुख आपको प्राप्त होगा। लेकिन स्त्री के आप हमेशा वश में रहेंगे तथा उसी के कथनानुसार अपने अधिकांश प्रमुख कार्यों को सम्पन्न करेंगे। स्वभाव से आप विनम्र एवं सुशील रहेंगे तथा धनैश्वर्य को भी आप नित्य अर्जित करेंगे एवं प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग भी करेंगे। साथ ही विविध प्रकार के ऐश्वर्य एवं वैभव से भी आप युक्त रहेंगे। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति भी होंगे तथा सद्गुणों से सम्पन्न अधिक मित्रों से हमेशा युक्त रहेंगे। धनसंचय में भी आपकी प्रवृत्ति रहेगी।

कन्या राशि में जन्म लेने के कारण आपके हाथों की लम्बाई अधिक होगी तथा शरीर की सुन्दरता दर्शनीय होगी साथ ही नाक, कान, दान्त, आँख सुन्दरता से युक्त रहेंगे। स्त्रियों के प्रति आप अनुरागी रहेंगे। आपमें उच्च कोटि के विद्वान के लक्षण स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होंगे तथा कई धार्मिक संस्थाओं में आप उच्चपदों को सुशोभित करने में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा नियम से इसका पालन करेंगे। आपकी वाणी प्रिय तथा अन्य जनों को रुचिकर लगेगी जिससे अन्य जन आपसे प्रभावित रहेंगे। इसके साथ ही सत्य का पालन करना भी आप अपना प्रिय कर्तव्य समझेंगे तथा शुद्धता एवं सफाई के प्रति भी आपका विशेष ध्यान रहेगा। धैर्य के भाव से युक्त रहकर आपके समस्त कार्य धैर्यपूर्वक सम्पन्न होंगे। आप के मन में परोपकार की भावना का भी समावेश होगा फलतः सामाजिक हित के लिए किए गये कार्यों में आप अधिक रुचिशील होंगे तथा उसे सम्पन्न करने के लिए तन, मन, धन से अपना सहयोग प्रदान करेंगे। संसार के समस्त जीवों के प्रति आपके मन में दया का भाव रहेगा तथा सम्पूर्ण जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा इसके अतिरिक्त आपकी पुत्रियाँ अधिक मात्रा

में होंगी तथा पुत्रों की संख्या अल्प मात्रा में ही रहेगी।

**स्त्रीलोलो लम्बबाहुर्ललिततनुमुखश्चारुदन्ताक्षिणिकर्णौ ।
विद्वानाचार्य धर्मा प्रियवचनयुतः सत्यशील प्रधानः ॥
धीरः सत्वानुकम्पी परविषयरतः क्षान्तिसौभाग्यभागी ।
कन्याप्रायप्रसूतिबहुसुतरहितः कन्यकायां शशाङ्कः ॥
सारावली**

आप आलस्य तथा लज्जायुक्त दृष्टि से गमन करने वाले पुरुष होंगे तथा आपकी भुजाएं एवं स्कन्धभाग भी शिथिल रहेंगे। आप अपने जीवन काल में विभिन्न प्रकार के सुखों का उपभोग करेंगे। आपका शरीर भी आकर्षक रहेगा। नाना प्रकार की कलाओं के जानने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आप किसी अन्य व्यक्ति के मकान तथा धन का सुखपूर्वक अपने जीवन में उपयोग करेंगे। विदेश यात्रा की इच्छा भी आपके मन में सर्वदा विद्यमान रहेगी।

**व्रीळामंथरचारुवीक्षणगतिः सस्तांसवाहुः सुखी ।
श्लक्षणः सत्यरतः कलासुनिपुणः शास्त्रार्थविद्वार्मिकः ॥
मेधावी सुरतप्रियः परगृहे वितैश्च संयुज्यते ।
कन्यायां परदेशगः प्रियवचः कन्याप्रजोळ्पत्मात्मजः ॥
बृहज्जातकम्**

आप अन्यजनों को अपनी हास्य एवं विलास युक्त चेष्टाओं से अपनी ओर आकर्षित करने तथा उन्हें खुश रखने में निपुण रहेंगे। आपका स्वभाव अत्यन्त ही सादगी से युक्त रहेगा तथा प्रपञ्चों से आप हमेशा दूर रहेंगे। साथ ही आपका आचरण भी श्रेष्ठ एवं उत्तम रहेगा। आप अच्छे कार्यों को करने के लिए सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगे आप एक सौभाग्यशाली पुरुष होंगे तथा भाग्यबल से जीवन के अनेक महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे आपका स्वभाव विनयशील होगा तथा सबसे विनम्र व्यवहार रखेंगे। आपकी संतति भी अधिक संख्या में उत्पन्न रहेंगी।

**युवतिगे शशिनि प्रमदाजनप्रबलकेलिबिलासकुतूहलैः ।
विनयशील सुताजननोत्सवै सुविधिना सहितः पुभान ॥
जातकाभरणम्**

आप की बुद्धि सरल होगी तथा लेखन कार्य के प्रति आपकी नैसर्गिक अभिरुचि रहेगी तथा कविता की रचना करने में आप सफलता प्राप्त करेंगे। कृषि कार्य की वृद्धि के गुणों से भी आप सुसम्पन्न रहेंगे। आप शान्त चित्त के व्यक्ति होंगे तथा शान्त भाव से ही कार्यों को पूर्ण करेंगे परन्तु नेत्रों के द्वारा यदा कदा आपको कष्टानुभूति रहेगी इसके अतिरिक्त गुरुजनों के प्रति आपके मन में निश्चल श्रद्धाभाव रहेगा तथा उनकी भलाई के कार्यों में आप सर्वथा तत्पर रहेंगे।

**विमलमति सुशीलो लेखबुद्धिः कविश्च ।
कृषिबलगुणशाली शान्तियुग्मः स्वभावः ॥**

VIKRANT JYOTISH KENDRA

AACHARYA VIKRANT SANKLE
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

**भवति नयनरोगी धार्मिकः शीलयुक्तः ।।
गुरुजन हितकर्ता कन्यका यस्य राशिः ।।
जातकदीपिका**

आपकी प्रकृति विलासिता से परिपूर्ण रहेगी तथा सम्पूर्ण विलासमय भौतिक पदार्थों का आप यत्न पूर्वक उपभोग करेंगे। सज्जन पुरुषों तथा विद्वानों के प्रति आपके मन में सम्मान का भाव रहेगा तथा ये लोग भी आपसे हमेशा प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। आपकी प्रकृति नैसर्गिक रूप से दान देने की होगी तथा यथा शक्ति आप आजीवन अपनी इस प्रकृति का पालन करते रहेंगे। समाज में सभी लोगों का आप के प्रति मान सम्मान का भाव रहेगा तथा इनके मध्य आप प्रिय रहेंगे। संगीत तथा अभिनय के प्रति आपकी विशेष रुचि रहेगी तथा जीवन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आप इससे संबंधित रहेंगे। आप अपने घर से दूर विदेश में निवास करेंगे। तथा जीवन में सभी से सहानुभूति प्राप्त करेंगे।

**विलासी सुजनाह्लादी सुभगो धर्मपूरितः ।
दातादक्षः कविर्बुद्धिं वेदमार्ग परायणः ।।
सर्वलोकप्रियो नाट्यगान्धर्व व्यसने रतः ।
प्रवासशीलः स्त्री दुखी कन्याजातो भवेन्नरः ।।
मानसागरी**

आपका सम्पूर्ण जीवन वैभव तथा ऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा तथा कामभावना की प्रति भी आपके मन में आकर्षण की मात्रा की अधिकता रहेगी फलतः आप इससे व्याकुलता भी अनुभव करेंगे। इसके अतिरिक्त नाना प्रकार की विद्याओं के ज्ञान से भी आप सुसम्पन्न होंगे।

**कन्यास्थे विषयातुरो ललितवाग्मि विद्याधिको भोगवान् ।
जातकपरिजातः**

देवगण में पैदा होने के कारण आपकी वाणी अत्यन्त ही श्रेष्ठ एवं मधुर होगी। सत्य के प्रति आप पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगे तथा आजीवन सबके पालन करने में तत्पर रहेंगे। आप अपने विचारों को अपनी बुद्धि के द्वारा आसानी से व्यक्त करेंगे। तथा वैसे ही अन्य जनों के विचारों को ग्रहण करेंगे। भोजन को अल्प मात्रा में भक्षण करना आपको अत्यन्त रुचिकर लगेगा। आप गुणों के विशेषज्ञ होंगे तथा समस्त गुणों का ज्ञान आपको होगा साथ ही श्रेष्ठ विद्वानों द्वारा वर्णित सद्गुणों से भी आप सुशोभित रहेंगे। इसके अतिरिक्त सर्वप्रकार के सुखैश्वर्य से सम्पन्न रहकर आप उसका उपभोग करेंगे।

आप का शरीर सुन्दर एवं स्वस्थ रहेगा तथा दानशीलता की भावना भी आपके हृदय में व्याप्त रहेगी आप सादगी पसन्द होंगे तथा दिखावे की हमेशा उपेक्षा करेंगे। आप एक श्रेष्ठ विद्वान होंगे तथा समाज में पूर्ण आदरणीय समझे जाएंगे।

**सुस्वरः सरलोक्तमतिः स्यादल्पभोजन करो हि नरश्च ।
जायते सुरगणे ङ्गज्ञः सुज्ञवर्णितगुणो द्रविणाढ्यः ।।**

VIKRANT JYOTISH KENDRA

AACHARYA VIKRANT SANKLE
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

जातकाभरणम्

अर्थात् देवगण का जातक अच्छी वाणी वाला, सरल बद्धि से युक्त, अल्प मात्रा में भोजन करने वाला, अन्य जनों के गुणों का ज्ञाता, महान विद्वानों द्वारा वर्णित गुणों से युक्त तथा वैभवशाली होता है।

महिष योनि में उत्पन्न होने के कारण आप वाद विवाद या लड़ाई झगड़े के मामलों में हमेशा विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा आप स्वयं भी एक वीर योद्धा के गुणों से सुशोभित रहेंगे। आपकी संतति भी अधिक संख्या में रहेंगी। आपकी प्रकृति वायु प्रधान रहेगी तथा धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा एवं पूर्ण विश्वास का भाव भी विद्यमान रहेगा।

संग्रामे विजयी योद्धा सकामस्तु बहुप्रजः।

वाताधिको मन्दमतिर्नरो महिषयोनिजः।।

मानसागरी

अर्थात् महिष योनि में उत्पन्न जातक युद्ध के मैदान में विजय प्राप्त करने वाला, योद्धा, कामाग्नि से प्रबल, अधिक संतति वाला, वायु प्रधान प्रवृत्ति तथा धर्म के प्रति निष्ठावान रहता है।

आपके जन्म काल में चन्द्रमा की स्थिति पंचम भाव में हैं। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घ होगी। आपके शुभ प्रभाव से वे धन सम्पत्ति आदि को भी प्राप्त करेंगी तथा इससे प्रायः युक्त ही रहेंगी। साथ ही जीवन में आपको हमेशा कला, नीति, विद्या आदि के लिए प्रोत्साहित करेंगी एवं यत्नपूर्वक इसमें अपना सहयोग भी प्रदान करेंगी। आप की संतति से भी उनका प्रेम रहेगा एवं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आपको सहयोग प्रदान करेंगी।

आप भी उनके प्रिय रहेंगे तथा उनकी आज्ञापालन करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके आपसी संबंध भी मधुरता से युक्त रहेंगे एवं आपसी भेदभाव भी अल्प मात्रा में होंगे। जीवन में आप यत्नपूर्वक उनकी सेवा तथा अन्य वांछित सहयोग एवं सहायता प्रदान करने के लिए भी सर्वदा उद्यत रहेंगे इस प्रकार आप आपस में प्रसन्नतापूर्वक रहेंगे।

आपके जन्म समय में सूर्य एकादश भाव में स्थित है अतः आप पिता के हमेशा प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा सामान्य रूप से वे शारीरिक व्याकुलता की अनुभूति भी करेंगे। धनैश्वर्य एवं सम्मान से वे हमेशा युक्त रहेंगे एवं जीवन में आपको सर्वप्रकार के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अपना वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करते रहेंगे। साथ ही आपके धनार्जन के साधनों की उन्नति में भी वे आपको प्रायः सहयोग तथा निर्देश प्रदान करते रहेंगे।

आपकी भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान की भावना रहेगी एवं उनकी आज्ञा का अनुपालन करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे तथा यदा कदा

VIKRANT JYOTISH KENDRA

AACHARYA VIKRANT SANKLE

B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)

8718906740

astro.sankle@gmail.com

सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे। आप जीवन में उनको हमेशा वांछित सहयोग तथा सहायता प्रदान करते रहेंगे एवं अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार से कष्टानुभूति नहीं होने देंगे।

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति दशम भाव में है अतः भाई बहिनों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता भी महसूस करेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह विद्यमान रहेगा। धन सम्पत्ति से वे युक्त रहेंगे एवं जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त सुख दुःख में भी उनसे वांछित सहयोग आपको प्राप्त होता रहेगा। तथा नौकरी या यपार संबंध कार्यों में भी वे आपको सहयोग प्रदान करगें।

आपके हृदय में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह का भाव रहेगा तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी परन्तु कई बार मतभेदों के कारण संबंधों में तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह अल्प समय तक रहेगा। इसके साथ ही आप आजीविका संबंधी कार्यों में भी उन्हें सहयोग प्रदान करते रहेंगे एवं सुख दुःख में भी एक दूसरे का सहायता करते रहेंगे।

आपके लिए भाद्रपद मास, पंचमी, दशमी, शुभयोग, कौलवकरण, श्रवण नक्षत्र, पूर्णमासी तिथियां तथा मिथुन राशि का चन्द्रमा सदैव अशुभफल देने वाले होंगे। अतः आप 15 अगस्त से 14 सितम्बर के मध्य 5,10,15 तिथियों, श्रवण नक्षत्र, शुभयोग, कौलवकरण में कोई भी शुभ कार्य, व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को प्रारम्भ न करें अन्यथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभफल ही अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे। साथ ही शनिवार प्रथम प्रहर एवं मिथुन राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा का भी पूर्ण रूप से ध्यान रखना चाहिए।

यदि आपके लिए समय अनुकूल न चल रहा हो मानसिक या शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में व्यवधान या महत्वपूर्ण कार्यों में असफलता प्राप्त हो रही हो तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव गणेश जी की उपासना करनी चाहिए एवं बुधवार तथा गणेश चतुर्थी के उपवास करने चाहिए। साथ ही सोना, पन्ना, हरा वस्त्र मूंग की दाल इत्यादि प्रदार्थों को श्रद्धापूर्वक किसी को दान देना चाहिए। इसके अतिरिक्त बुध के तांत्रिय मंत्र के कम से कम 17000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ फलों के प्रभाव में कमी होकर शुभ फलों में वृद्धि होगी।

ॐ ब्रां ब्रीं ब्रो सः बुधाय नमः।

मंत्र- ॐ ऐं स्त्रीं शीं बुधाय नमः।

VIKRANT JYOTISH KENDRA

AACHARYA VIKRANT SANKLE

B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)

8718906740

astro.sankle@gmail.com